



ॐ ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ

वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभ ।
निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा ॥

आरव शर्मा की शनि और साढ़े साती रिपोर्ट

नमूना रिपोर्ट • काल्पनिक व्यक्ति

Aarav Sharma

15 अगस्त 1991 • 06:40

Jaipur, Rajasthan, India



IASTROGURU

उन्नत iAstroGuru इंजन से गणना
बहु-स्तरीय गुणवत्ता जाँच

लग्न: उगती राशि। दशा: ग्रहों से जुड़ी समय की अवधि। नक्षत्र: चंद्रमा के पथ का एक भाग।

इस रिपोर्ट में

01 आपके जन्म के शनि

04 आपकी दशाओं में शनि

02 साढ़े साती और ढैया: आपकी तिथियाँ

05 शनि के गोचर, भाव दर भाव

03 चरण दर चरण

06 पारंपरिक उपाय

07 यह रिपोर्ट कैसे बनी

01 आपके जन्म के शनि

आरव, साढ़े साती की किसी भी तिथि से पहले आपके जीवन में शनि के बारे में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आपकी अपनी जन्म कुंडली में शनि कहाँ बैठे हैं। इसी से तय होता है कि उनके काल दबाव लगेंगे या स्थिर निर्माण।

बलवान, अपनी राशि में

आपके शनि मकर में 8°23' पर, उत्तराषाढ़ा चरण 4 में, आपके छठे भाव में हैं। मकर शनि की अपनी राशि है, इसलिए वे यहाँ गरिमा और सहजता में हैं। छठा भाव, रिपु भाव, रोज़ के काम, सेवा, सेहत की दिनचर्या, प्रतिस्पर्धा और बाधाओं पर विजय का भाव है। इस भाव में शनि अपने सर्वश्रेष्ठ रूप में होते हैं: वे धैर्य, नियम से काम और लगातार प्रयास का फल देते हैं, और ऐसी समस्याओं से पार पाने में मदद करते हैं जो दूसरों को हरा देती हैं।

यहाँ शनि हर्ष योग बनाते हैं, जो विपरीत योगों में से एक है: कठिन भाव का स्वामी कठिन भाव में, जिसे शास्त्र विपत्ति को बल में बदलने वाला बताते हैं। यह शनि की सबसे रक्षक स्थितियों में से एक है।

- ◆ छठे भाव में अपनी राशि के शनि, हर्ष योग बनाते हुए: आपकी कुंडली में शनि काम करने वाले मित्र हैं।

वे किन भावों के स्वामी हैं, और उनकी वकी गति

आपके सिंह लग्न के लिए शनि छठे भाव और सातवें भाव, विवाह और साझेदारी के भाव, के स्वामी हैं। इसलिए शनि केवल काम और सेहत के आपके शिक्षक नहीं; वे आपके विवाह भाव के स्वामी भी हैं। उनके काल करियर जितना ही साझेदारी को भी छूते हैं।

जन्म के समय आपके शनि वक्री थे। वक्री शनि परंपरा में पहले भीतर से काम करते हैं: सबक दोहराए जाते हैं, योजनाएँ फिर से गढ़ी जाती हैं, और फल दूसरे, बेहतर प्रयास के बाद आते हैं। नवांश में आपके शनि मीन में बैठे हैं, जो आस्था और सेवा की राशि है, और उनकी गंभीरता को करुणा से कोमल बनाती है।

02 साढ़े साती और ढैया: आपकी तिथियाँ

साढ़े साती वह समय है जब गोचर में शनि आपके चंद्रमा से बारहवीं, पहली और दूसरी राशि से गुज़रते हैं, लगभग साढ़े सात वर्ष। ढैया चंद्रमा से चौथी या आठवीं राशि में शनि का गोचर है, लगभग ढाई वर्ष। आपका चंद्रमा तुला में है।

हर काल, तिथियों के साथ

आपकी पिछली ढैया, जब गोचर में शनि आपके चंद्रमा से चौथे स्थान में थे, 24 जनवरी 2020 से 17 जनवरी 2023 तक चली।

अभी कुछ नहीं चल रहा। आपका अगला काल एक ढैया है, जब गोचर में शनि आपके चंद्रमा से आठवें स्थान में होंगे, 8 अगस्त 2029 से 30 मई 2032 तक।

आपकी साढ़े साती 22 अक्टूबर 2038 से 7 दिसंबर 2046 तक चलेगी। उसके बाद अगली ढैया, जब गोचर में शनि आपके चंद्रमा से चौथे स्थान में होंगे, मार्च 2049 से फ़रवरी 2052 तक है।

- ♦ अभी: शनि का कोई काल नहीं। अगला: अगस्त 2029 से मई 2032 तक ढैया। साढ़े साती: अक्टूबर 2038 से दिसंबर 2046।

अगले कुछ वर्षों के लिए इसका अर्थ

2029 तक आपका रास्ता साफ़ है। यह मूल्यवान है: यही वह समय है जब आप वे दिनचर्याएँ, बचत और संबंध बना सकते हैं जो शनि के काल को सहज बना देते हैं। जो लोग व्यवस्थित जीवन के साथ ढैया का सामना करते हैं, उनके लिए यह आम तौर पर तनाव नहीं, मजबूती का समय होता है।

03 चरण दर चरण

शनि के काल का हर हिस्सा आपके लग्न से गिने किसी विशेष भाव में पड़ता है, और इससे पता चलता है कि जीवन के किस क्षेत्र में काम होगा।

2029 से 2032 की ढैया

इस ढैया में गोचर में शनि वृषभ से गुजरेंगे, जो आपके चंद्रमा से आठवीं राशि और लग्न से आपका दसवाँ भाव है। चंद्रमा से आठवाँ स्थान परंपरा में सेहत की दिनचर्या, साझा धन और अचानक बदलावों में सावधानी माँगता है। लग्न से दसवाँ भाव आपका करियर है। इसलिए इस काल में काम पर अधिक ज़िम्मेदारी, अधिक जाँच-परख और धीमी पहचान आ सकती है, साथ में अपनी ऊर्जा का ध्यान रखने की ज़रूरत।

सर्वाष्टकवर्ग में आपका दसवाँ भाव 37 अंक पाता है, जो आपकी कुंडली के सबसे ऊँचे अंकों में से एक है। बलवान भाव शनि के गोचर को अच्छे से झेलता है: मेहनत वास्तविक होती है, और उससे बनने वाली चीज़ें भी।

2038 से 2046 की साढ़े साती

आरंभिक चरण में गोचर में शनि कन्या में होंगे, जो आपके चंद्रमा से बारहवीं राशि और लग्न से आपका दूसरा भाव है: बचत, परिवार और वाणी पर ध्यान, और ऐसे खर्च जिन्हें योजना चाहिए। आपका दूसरा भाव 21 अंक पाता है, इसलिए यही वह चरण है जिसकी सबसे अधिक तैयारी करनी है, 2038 से बहुत पहले बचत की आदत बनाकर।

मध्य चरण में गोचर में शनि तुला में, स्वयं आपके चंद्रमा पर और लग्न से आपके तीसरे भाव में होंगे: साहस, प्रयास, संवाद और भाई-बहन। परंपरा में यह सबसे तीव्र हिस्सा है, जब मन शनि को सबसे अधिक महसूस करता है, और यही वह समय है जब स्थिर प्रयास का सबसे अच्छा फल मिलता है।

अंतिम चरण में गोचर में शनि वृश्चिक में होंगे, जो आपके चंद्रमा से दूसरी राशि और लग्न से आपका चौथा भाव है: घर, संपत्ति, माता और भीतरी शांति। यह आम तौर पर सबसे कोमल चरण होता है, पहले के वर्षों में बनी चीज़ों को स्थिर करने का समय।

04 आपकी दशाओं में शनि

गोचर शनि की आधी कहानी हैं। बाकी आधी है दशा, जीवन का वह अध्याय जिस पर स्वयं शनि का शासन है।

शनि महादशा, 2027 से 2046

आप गुरु महादशा की अंतिम अंतर्दशा, राहु अंतर्दशा, में 26 अगस्त 2027 तक हैं। उस दिन आपकी शनि महादशा शुरू होती है और उन्नीस वर्ष, 26 अगस्त 2046 तक चलती है। क्योंकि आपके शनि बलवान हैं, अपनी राशि में हैं और हर्ष योग बनाते हैं, इसलिए परंपरा में यह किसी कुंडली के सबसे उत्पादक अध्यायों में से एक है: स्थिर तरक्की, लोगों और व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी, और टिकने वाले परिणाम।

शनि आपके छठे और सातवें भाव के स्वामी हैं, इसलिए यह महादशा गंभीर काम और साझेदारी में गंभीर लगन, दोनों ला सकती है। बहुत-से लोग अपने सप्तमेश की महादशा में करियर और विवाह के सबसे टिकाऊ निर्णय लेते हैं।

♦ 26 अगस्त 2027 से: शनि महादशा के उन्नीस वर्ष, और आपकी कुंडली में शनि बलवान।

अंतर्दशाएँ

शनि-शनि अगस्त 2030 तक चलती है और नींव रखती है। उसके बाद मई 2033 तक बुध; बुध आपके बचत और लाभ के दूसरे और ग्यारहवें भावों के स्वामी हैं, इसलिए परंपरा में यह आय का काल है। फिर जून 2034 तक केतु, अगस्त 2037 तक शुक्र, जुलाई 2038 तक सूर्य, फरवरी 2040 तक चंद्र, अप्रैल 2041 तक मंगल, फरवरी 2044 तक राहु और अगस्त 2046 तक गुरु।

ध्यान दें कि अक्टूबर 2038 से शुरू होने वाली आपकी साढ़े साती आपकी अपनी शनि महादशा के भीतर पड़ती है। जब दशा के स्वामी और गोचर का ग्रह एक ही बलवान शनि हों, तो परंपरा साढ़े साती को अलग परीक्षा नहीं, शनि के एक ही लंबे, अच्छे से सहारा पाए अध्याय का हिस्सा मानती है।

विंशोत्तरी महादशाएँ

मंगल

1991-1993

राहु

1993-2011

गुरु

2011-2027

शनि

2027-2046

बुध

2046-2063

केतु

2063-2070

शुक्र

2070-2090

सूर्य

2090-2096

चंद्र

2096-2106

05 शनि के गोचर, भाव दर भाव

अगले दो वर्ष

गोचर में शनि 3 जून 2027 तक मीन में हैं: लग्न से आपका आठवाँ भाव और चंद्रमा से छठा स्थान। चंद्रमा से छठा स्थान शनि के सबसे अच्छे गोचर स्थानों में से एक है, इसलिए आठवें भाव के बदलाव और साझा वित्त के विषयों के बावजूद यह काल कड़ी मेहनत और समस्याओं पर विजय का साथ देता है।

गोचर में शनि जून से अक्टूबर 2027 तक मेष में, भाग्य, गुरुओं और आस्था के आपके नौवें भाव में जाते हैं, फ़रवरी 2028 तक मीन में लौटते हैं, और फिर मेष में स्थिर होते हैं। नौवें भाव का गोचर अध्ययन, शिक्षण, लंबी यात्राओं और दीर्घकालिक योजनाओं का पक्ष लेता है, और यह ठीक तब शुरू होता है जब आपकी शनि महादशा खुलती है।

06 पारंपरिक उपाय

क्योंकि आपके शनि बलवान हैं, परंपरा शनि से डरने के बजाय उनके साथ साथ की सलाह देती है।

शनिवार और सेवा

शनिवार शनि का दिन है। शनिवार शाम तिल के तेल का दीपक जलाना, शनि स्तोत्र या हनुमान चालीसा का पाठ, और मजदूरों व बुजुर्गों को भोजन, कंबल या मदद देना शास्त्रीय अभ्यास हैं, विशेषकर 2027 से, जब महादशा शुरू होती है।

शनि उन चीजों को महत्व देते हैं जिनका वे प्रतिनिधित्व करते हैं: वचन निभाना, आपके लिए काम करने वालों के साथ निष्पक्षता, समय की पाबंदी, और व्यवस्थित जीवन। जिस कुंडली में शनि पहले से अपनी राशि में हैं, उसके लिए ये आदतें सबसे प्रभावी उपाय हैं। परंपरा में शनि के लिए नीलम तभी पहना जाता है जब किसी भरोसेमंद ज्योतिषी ने पूरी कुंडली देखी हो और रत्न को पहले परखा गया हो।

07 यह रिपोर्ट कैसे बनी

सभी तिथियों की गणना iAstroGuru Engine ने की है, लाहिड़ी अयनांश, संपूर्ण राशि भाव और विशोत्तरी दशा के साथ। शनि के राशि परिवर्तन कुछ मिनटों की सटीकता से निकाले गए हैं; थोड़ी अलग सेटिंग वाले पंचांगों में कुछ घंटों का अंतर हो सकता है।

पाठ इन्हीं गणना किए गए तथ्यों से लिखा गया और जारी करने से पहले कुंडली से अपने आप मिलाकर जाँचा गया। ज्योतिष एक व्याख्यात्मक परंपरा है, घटनाओं की भविष्यवाणी का वैज्ञानिक रूप से स्थापित तरीका नहीं, और यहाँ कुछ भी चिकित्सीय, कानूनी या पैसे संबंधी सलाह नहीं है। यह नमूना एक काल्पनिक व्यक्ति, आरव शर्मा, के लिए तैयार किया गया है।

उन्नत iAstroGuru इंजन से गणना, भरोसेमंद संदर्भों से सटीकता के लिए परखी गई।
इन गणनाओं से स्वचालित व्याख्या, हर रिपोर्ट हमारी बहु-स्तरीय गुणवत्ता जाँच से परखी गई।



Shiv Shakti Software Solutions (iAstroGuru)

Digitally signed on 9 Oct 2026, 14:35 IST

Document ID IAG-QVAC-2064-GV4A